केन्द्रीय विद्यालय संगठन,
भोपालसंभाग
मैदा मिल के सामने, भोपाल-462 011
दूरभाषक्रमांक 2550728(D.C.)
2551678 (स.आ.)
2551699 (प्र.अ./ले.प.एवं ले.अ.)
फैक्सः 0755-2553126
ई-मेलःacbhopal@yahoo.com

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
BHOPAL REGION
Opp. Maida Mills,Bhopal-462011
Phone: 2550728 (DC)
2551678 (ACs)
2551699 (AO/FO)
Fax: 0755-2553126
E.Mail:acbhopal@yahoo.com

F.DO/2015-16 / केविसं / क्षे.का.भो. /

दिनांक 12.08.2015

प्रिय प्राचार्य गण,

शैक्षणिक प्रगति की इच्छा ही हमें शैक्षणिक रूप में उन्नत बनाती है और यही उत्कंठा हमें प्रत्येक कार्य में उत्कृष्टता का स्तर प्रदान करती है।

1. वर्तमान में आप जितना महत्व अपने सीखने और सिखाने को देते हैं, उसे अब पांच गुना अधिक महत्व देने की आवश्यकता है । यही आपको आश्वस्त करेगा कि आप निरंतर सीखते रहने और सफल होने की दिशा में अग्रसर हैं।
2. यह आप तब समझ पाते हैं जब आप यह जान जाते हैं कि सब सफलता की दिशा में ही जुड़ रहा है। मैं आपको एक सशक्त सुझाव देता हूँ कि प्रत्येक मासिक परीक्षा की समाप्ति के तुरंत बाद MRAP(मासिक शैक्षणिक गतिविधियों की रिपोर्ट)तैयार करने एवं **ERROR ANALYSIS** (परिलक्षित त्रुटियों का विशलेषण करने और उनमें अपेक्षित सुधार करने में) व्यक्तिगत रूचि लें। साथ ही विधिवत तैयार रिपोर्ट इस कार्यालय को निर्धारित समयावधि में भेजें। (कुछ प्राचार्यो ने जून 2015 की रिपोर्ट नहीं भेजी है) कृपया रिपोर्ट स्वयं तैयार करें और होने वाले परिवर्तन को दृष्टिगत करें। यदि आप इस विषय पर कोई स्पष्टीकरण चाहते हैं, तो कृपया सूचित करें। इससे आप स्वयं को विकसित कर पाएगें और आपका विकास ही आपके स्तर का निर्धारण करेगा। आपके स्तर के अनुरूप ही आपका प्रभाव दूसरों पर पड़ेगा और जिन्हें आप प्रभावित कर पायेगें वही आपकी उस सफलता का मापदंड होगा जिसके विषय में हम बात कर रहे हैं।
3. **जब तक वृक्ष हरा है, वह फल फूल रहा है। पक जाने के बाद फल सड़ने लगता है** । इसी प्रकार आप स्वयं के विकास को रूकने न दें। स्वयं की एवं के.वि.संगठन की संभावनाओं का क्षरण न होने दें। यदि आपको ऐसा लगता है कि कल जो आपने किया वह बहुत बड़ा था, इसका अर्थ है कि आपने आज कुछ खास नहीं किया।
4. **सब कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है -- यही प्रकृति का नियम है** । इसलिए सफलता अर्जित करने के लिए विद्यालय में अपने नकारात्मक नेतृत्व का त्याग कीजिए।

सफलता का मार्ग इन्हीं सुझावों में निहित है। मै कामना करता हूँ कि आपका जीवन पूर्णतः सफल हों और आप यह समझें कि आप भी जीवन में बदलाव ला सकते हैं और सफल हो सकतें है। इस भाव को अपने जीवन में आत्मसात करिए, इसका परिणाम निश्चित ही आपको गौरवान्वित करेगा।

कृपया यह याद रखिए कि यदि आपके पास अपने विद्यार्थियों को देने के लिए पुरस्कार स्वरूप शैक्षणिक सफलता है, तो ईश्वर के पास भी आपको देने के लिए उपहार है । हमें इसी दिशा में तत्पर होना चाहिए । क्या हम ऐसा नहीं कर सकते ?

यह पत्र उपायुक्त महोदय के अर्द्धशासकीय पत्र दिनांक 03.08.2015 के हिन्दी अनुवाद का प्रयास है।

शुभकामनाओं सहित,

सादर

डॉ. (श्रीमती) बी.कौर
सहायक आयुक्त

प्राचार्य
समस्त केन्द्रीय विद्यालय,
भोपाल संभाग

प्रतिलिपिः
सहायक आयुक्त, के.वि.सं., भोपाल संभाग को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाही हेतु।